BUDHA DAL PUBLIC SCHOOL, PATIALA
FIRST TERM EXAMINATION (23 September 2025)
Class - IX
Hindi SET - B

Time: 3 hrs. **MM: 80**

प्र1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ कर पूछे गए प्रश्नों में से पहले तीन प्रश्नों के उत्तर बहुविकल्पीय में से तथा 4-5 प्रश्नों के उत्तर दो-तीन पंक्तियों में दीजिए:(1+1+1+2+2=7)

संस्कृत में एक कहावत है कि दुर्जन दूसरों के राई के समान मामूली दोषों को पहाड़ के समान बड़ा बनाकर देखता है और अपने पहाड़ के समान बड़े पापों को देखते हुए भी नहीं देखता। सज्जन या महात्मा ठीक इससे विपरीत होते हैं। उनका ध्यान दूसरों की बजाय केवल अपने दोषों पर जाता है। अधिकांश व्यक्तियों में कोई-न-कोई बुराई अवश्य होती है। कोई भी बुराई न होने पर व्यक्ति देवता की कोटि में आ जाता है। मनुष्य को अपनी बुराइयों को दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए, न कि दूसरों की कमियों को लेकर छींटाकशी करने या टीका-टिप्पणी करने का। अपने मन की परख मन को पवित्र करने का सबसे उत्तम साधन है। आत्मनिरीक्षण आत्मा की उन्नति का सर्वश्रेष्ठ मार्ग है। महात्मा कबीर ने कहा है कि जब मैंने मन की पड़ताल की तो मुझे अपने जैसा बुरा कोई न मिला। महात्मा गांधी ने कई बार स्पष्ट रूप से कहा था कि मैंने जीवन में हिमालय जैसी बड़ी भूल की है। अपनी भूलों को ध्यान देना या उन्हें स्वीकार करना आत्मबल का चिह्न है। जो लोग दूसरों के सामने अपनी भूल नहीं मानते और न ही अपने को दोषी स्वीकार करते हैं, वे सबसे बड़े कायर हैं, जिसका अंतःकरण शीशे के समान उजला है, उसे झट अपनी भूल महसूस हो जाती है। मन तो दर्पण है। मन में पाप है तो जग में पाप दिखाई देता है। पवित्र आचरण वाले मन को देखते हैं तो उन्हें लगता है कि अभी इसमें कोई कमी रह गई है। इसलिए वे अपने को बुरा कहते हैं। यही उनकी नम्रता व साधना है।

1. सज्जन के चरित्र की क्या विशेषता है-

(A) वह दूसरों के दोष देखता है

(B) वह अपने दोषों पर ध्यान देता है

(C) वह दूसरों को सुधारना चाहता है

(D) वह केवल अपना भला चाहता है।

2. कोई भी बुराई न होने पर मनुष्य किस श्रेणी में आ जाता है-

(A) महात्मा की (B) राक्षस की

(C) देवता की (D) दुर्जन की।

B-1

Scanned with OKEN Scanner

3. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए–

कथन (A)–अधिकांश व्यक्तियों में कोई-न-कोई बुराई अवश्य होती है।

कारण (R)–कोई भी बुराई न होने पर मनुष्य देवता की कोटि में आ जाता है।

(A) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(B) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।
(C) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(D) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

4. संस्कृत की कहावत क्या है?
5. महात्माओं का स्वभाव कैसा होता है?

प्र2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ कर पूछे गए प्रश्नों में से पहले तीन प्रश्नों के उत्तर बहुविकल्पीय में से तथा 4–5 प्रश्नों के उत्तर दो-तीन पंक्तियों में दीजिए:(1+1+1+2+2=7)

पता नहीं क्यों, उनकी कोई नौकरी लंबी नहीं चलती थी। मगर इससे वह न तो परेशान होते, न आतंकित और न ही कभी निराशा उनके दिमाग में आती। यह बात उनके दिमाग में आई कि उन्हें अब नौकरी के चक्कर में रहने की बजाय अपना काम शुरू करना चाहिए। नई ऊँचाई तक पहुँचने का उन्हें यही रास्ता दिखाई दिया। सत्य है, जो बड़ा सोचता है, वही एक दिन बड़ा करके भी दिखाता है और आज इसी सोच के कारण उनकी गिनती बड़े व्यक्तियों में होती है। हम अक्सर इंसान के छोटे-बड़े होने की बातें करते हैं, पर दरअसल इंसान की सोच ही उसे छोटा या बड़ा बनाती है। स्वेट मार्डेन अपनी पुस्तक ***'बड़ी सोच का बड़ा कमाल'*** में लिखते हैं कि यदि आप दरिद्रता की सोच को ही अपने मन में स्थान दिए रहेंगे तो आप कभी धनी नहीं बन सकते, लेकिन यदि आप अपने मन में अच्छे विचारों को ही स्थान देंगे और दरिद्रता, नीचता आदि कुविचारों की ओर से मुँह मोड़े रहेंगे और उनको अपने मन में कोई स्थान नहीं देंगे तो आपकी उन्नति होती जाएगी और समृद्धि के भवन में आप आसानी से प्रवेश कर सकेंगे। 'भारतीय चिंतन में ऋषियों ने ईश्वर के संकल्पमात्र से सृष्टि रचना को स्वीकार किया है और यह संकेत दिया है कि व्यक्ति जैसा बनना चाहता है, वैसा बार-बार सोचे। व्यक्ति जैसा सोचता है, वह वैसा ही बन जाता है।' सफलता की ऊँचाइयों को छूने वाले व्यक्तियों का मानना है कि सफलता उनके मस्तिष्क से नहीं, अपितु उनकी सोच से निकलती है। व्यक्ति में सोच की एक ऐसी जादुई शक्ति है कि यदि वह उसका उचित प्रयोग करे तो कहाँ-से-कहाँ पहुँच सकता है। इसलिए सदैव बड़ा सोचें, बड़ा सोचने से बड़ी उपलब्धियाँ हासिल होंगी। फ़ायदे बड़े होंगे और देखते-देखते आप अपनी बड़ी सोच द्वारा बड़े आदमी बन जाएँगे। इसके लिए हैजलिट कहते हैं—महान सोच, जब कार्यरूप में परिणत हो जाती है, तब वह महान कृति बन जाती है।

1. **गद्यांश में कैसे व्यक्ति के बारे में चर्चा की गई है–**
(A) ऊँची सोच वाले आशावादी व्यक्ति के बारे में
(B) नौकरी के पीछे दौड़ने वाले के बारे में
(C) एक असंतोषी और निराशावादी के बारे में
(D) अकर्मण्य और आतंकित रहने वाले के बारे में।

2. **निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए–**

कथन (A)–हम इंसान के छोटे-बड़े होने की बात करते हैं।

कारण (R)–इंसान की सोच ही उसे छोटा या बड़ा बनाती है।

(A) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(B) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(C) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(D) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

3. **भारतीय विचारधारा में संकल्प और चिंतन का क्या महत्त्व है–**
(A) मनुष्य जैसा सोचता है, वह वैसा ही बन जाता है
(B) संकल्प से कार्य में सफलता मिलती है
(C) चिंतन से समस्याओं का समाधान होता है
(D) संकल्प और चिंतन सजीव की पहचान है।

4. गद्यांश में वर्णित व्यक्ति के दिमाग में क्या बात आई?
5. स्वेट मार्डेन ने अपनी पुस्तक में क्या लिखा है?

प्र3. 'शब्द
क) शब्
ख) उ
ग)

B-2

Scanned with OKEN Scanner

प्र3. 'शब्द और पद' पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2)

क) शब्द और पद में क्या अंतर है?

ख) बच्चे, कागज, मोती, खेल (शब्द है या पद)?

ग) 1) निरर्थक शब्दों को भी शब्द कहा जा सकता है। (हाँ/ नहीं)

2) पद का अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है। (हाँ/नहीं)

प्र4. 'अनुस्वार-अनुनासिक' पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2)

क) अनुस्वार का सही प्रयोग किस शब्द में हुआ है?

संम्प्रदाय, संम्वाद, संशय, सरंचना

ख) सही स्थान पर अनुस्वार तथा अनुनासिक का प्रयोग कीजिए:

उपसहार, भवरा, अत्यत, कुआ

ग) अनुनासिक का लिपि चिह्न क्या है?

प्र5. 'उपसर्ग-प्रत्यय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (4)

क) 'व्यूह' शब्द में मूल शब्द और उपसर्ग अलग करें।

ख) 'अल' उपसर्ग लगाकर दो नए शब्द बनाइए।

ग) 'खटिया' शब्द में प्रत्यय और मूल शब्द अलग करें।

घ) 'वान' प्रत्यय लगाकर दो नए शब्द बनाइए।

ङ) किस शब्द में 'परा' उपसर्ग नहीं लगा है

पराधीन, पराग, पराजय, पराक्रम

प्र6. 'संधि' पर आधारित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3)

क) संधि करें - सूर्य + उदय, भाव + ऐक्य

ख) संधि विच्छेद करें - प्रत्येक

ग) जब ए, ऐ, ओ, औ असमान स्वरों से मिलकर क्रमशः अय, आय, अव, आव हो जाते है तब कौन-सी संधि होती है?

घ) 'कल्पेश' का संधि विच्छेद कीजिए।

प्र7. 'विराम चिह्न' पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2)

क) उपविराम चिह्न का कोई एक उदाहरण दें।

ख) तुम्हें एक अच्छा इन्सान बनना है- ईमानदारी, सच्चाई, त्याग से (वाक्य में किन दो विराम चिह्नों का प्रयोग हुआ है, नाम लिखो)

ग) वेद चार हैं ऋग्वेद सामवेद अर्थवेद यजुर्वेद (उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करके लिखें)

Scanned with OKEN Scanner

प्र8. 'अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद' पर आधारित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3)

क) आपकी यात्रा शुभ हो!

ख) आज, आप कौन-से कार्य करेंगे?

ग) आप चुप रहिए।

घ) जिन वाक्यों से वाक्य की क्रिया के होने में संदेह हो, उन्हें ...... वाक्य कहते है।

प्र9. निम्नलिखित पठिग गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए- (5)

और आशंका निर्मूल नहीं थी, अतिथि! तुम जा नहीं रहे। लॉण्ड्री पर दिए कपड़े धुलकर आ गए और तुम यही हो। तुम्हारे भरकम शीर से सलवटें पड़ी चादर बदली जा चुकी और तुम यहीं हो। तुम्हें देखकर फूट पड़ने वाली मुसकराहट धीरे-धीरे फीकी पड़कर अब लुप्त हो गई है। ठहाकों के रंगीन गुब्बारे, जो कल तक इस कमरे के आकाश में उड़ते थे, अब दिखाई नहीं पड़ते। बातचीत की उछलती हुई गेंद चर्चा के क्षेत्र के सभी कोनों से टप्पे खाकर फिर सेंटर में आकर चुप पड़ी है। अब इसे न तुम हिला रहे हो न मैं। कल से मै उपन्यास पढ़ रहा हूँ और तुम फिल्मी पत्रिका के पन्ने पलट रहे हो। शब्दों का लेन-देन मिट गया और चर्चा के विषय चूक गए।

1) "और आशंका निर्मूल नहीं थी, अतिथि! तुम जा नहीं रहे"। गद्यांश के अनुसार, लेखक की कौन-सी आशंका थी जो निर्मूल नहीं थी?

क) शायद अतिथि अभी नहीं जा रहा है

ख) अतिथि आज ही चला जाएगा

ग) अतिथि कल चला जाएगा

घ) अतिथि को सत्कार पसंद नहीं आया

2) अतिथि ने तीन दिन बाद भी जब जाने का निर्णय नहीं लिया, तो उसका क्या प्रभाव पड़ा?

क) लेखक अत्यंत प्रसन्न हो गया

ख) लेखक की पत्नी नाराज़ हो गई

ग) अतिथि और आतिथेय के बीच संबंधों में बोरियत आ गई

घ) आतिथेय स्वयं आत्मग्लानि से भर गया

3) लेखक और आतिथेय के बीच का सौहार्द्र बोरियत में बदल गया यह किस कथन से स्पष्ट होता है?

1) ठहाकों के रंगीन गुब्बारों के अदृश्य होने

2) बातचीत कम-से-कम होने

3) चर्चा के विषय चूक जाने

4) लेन-देन मिट जाने पर

कूट: क) 1 और 2 सही है। ख) 2 और 4 सही है।
ग) 1, 3 और 4 सही है। घ) 1, 2 और 3 सही है।

4) बातचीत रूपी गेंद घर के कोने में शांत होकर क्यों पड़ी हुई है?

क) अतिथि का लेखक के घर में लंबे समय तक रुकने के कारण

ख) लेखक के अपने काम में व्यस्त होने के कारण

ग) लेखक तथा अतिथि के बीच झगड़ा होने के कारण

घ) लेखक की रुचि समाप्त नहीं होने के कारण

Scanned with OKEN Scanner

5) कथन (A) लेखक ने धोबी को कपड़े न देकर लॉण्ड्री में दिए।
कारण (R) लेखक चाहता था कि कपड़े जल्दी धुलकर मिल जाएँ और अतिथि घर चला जाए।
क) कथन (A) सही है तथा कारण (R) गलत है।
ख) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।
ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।
घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत है।

प्र10. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें: (2×3=6)

क) समाज में मनुष्य का स्थान उसकी पोशाक या आर्थिक स्थिति से निर्धारित होना चाहिए? तर्क सहित उत्तर दें।

ख) बेस कैंप में लेखिका की मुलाकात किससे हुई? उन्होंने लेखिका का उत्साहवर्धन कैसे किया?

ग) "तुम्हारे सामीप्य की बेला एकाएक यों रबर की तरह खिंच जाएगी, इसका मुझे अनुमान न था"- पंक्ति मे निहित तात्पर्य एवं व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

घ) एवरेस्ट की चोटी पर सुरक्षा का प्रश्न क्यों उठा और लेखिका ने स्वयं को वहाँ पर किस प्रकार सुरक्षित किया?

प्र11. निम्नलिखित पठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए- (5)

"रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।
जहाँ काम आवे सुई, कहा करे तलवारि।।"

1) इस दोहे में क्या संदेश दिया गया है?
क) केवल छोटी चीज़ ही काम की होती है ख) बड़ी चीज़ का महत्त्व सब जगह होता है
ग) हर चीज़ का अपना महत्त्व होता है घ) छोटी चीज़ कम काम की होती है

2) कवि के अनुसार, सुई के स्थान पर क्या काम नहीं आती है?
क) तार ख) डोरी ग) धागा घ) तलवार

3) 'जहाँ काम आवे सुई' पंक्ति में सुई किसका प्रतीक है?
क) शक्तिशाली लोगों का ख) छोटे या कमज़ोर लोगों का
ग) बड़े या प्रभावशाली लोगों का घ) असमर्थ लोगों का

4) कथन (A) तलवार मिलते ही सुई को नहीं फेंकना चाहिए।
कारण (R) सभी का अपना-अपना महत्त्व है, कोई दूसरे का स्थान नहीं ले सकता और बड़े को देखकर छोटे की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।
क) कथन (A) सही है तथा कारण (R) गलत है।
ख) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।
ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।
घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं।

5) छोटी से छोटी वस्तु का अपना महत्त्व है, इस बात को सिद्ध करने के लिए रहीम ने किसका उदाहरण दिया है?
1) समुद्र और मछली का 2) सुई और धागे का
3) कमल और कीचड़ का 4) सुई और तलवार का
कूट: क) केवल 1 सही है ख) केवल 2 सही है 3) केवल 3 सही है 4) केवल 4 सही है

Scanned with OKEN Scanner

प्र12. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें: (2×3=6)

क) 'जैसे सोनहि मिलत सुहागा'- पंक्ति का भाव स्पष्ट करें।

ख) कार्य सिद्धि के लिए रहीम जी ने हमें क्या नीति बताई है?

ग) शुकी के गीत उमड़कर क्यों रह जाते है?

घ) 'गीत-अगीत' कविता में कवि की दुविधा क्या है? उसने अपनी दुविधा किस माध्यम से अभिव्यक्त की है?

प्र13. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें: (4×2=8)

क) जीव जंतु भी मनुष्य की तरह संवेदनशील होते हैं। 'गिल्लू' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए।

ख) 'स्मृति' पाठ को पढ़ने के बाद किन-किन बाल-सुलभ शरारतों के विषय में पता चलता है?

ग) गिल्लू को मुक्त क्यों और कैसे किया गया? इससे लेखिका की मानवीयता कैसे प्रदर्शित होती है?

प्र14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर नीचे दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए: (5)

1. **कामकाजी महिलाएँ और उनकी दोहरी भूमिका**

संकेत बिंदु- वर्तमान युग नारी प्रगति का युग, शिक्षा व जागरूकता से बढ़ती नारी, घर और कार्य क्षेत्र दोनों में संतुलन, संकल्प से बढ़ती जाएगी नारी।

2. **मानवता सर्वोपरि धर्म है**

संकेत बिंदु- सच्चे मनुष्य के गुण, स्वहित के स्थान पर परहित का भाव सर्वोपरि, ईर्ष्या, द्वेष, छल-कपट को हटकर मानवता को अपनाने का आह्वान।

3. **आभासी दुनिया (वर्जुअल वर्ल्ड) और विद्यार्थी जीवन**

संकेत बिंदु- डिजिटल और इंटरनेट युग, प्रभाव, सोशल मीडिया का आकर्षण, बचने के उपाय।

प्र15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए। (5)

आपका छोटा भाई मन लगाकर पढ़ाई नहीं करता है। उसे जीवन में पढ़ाई का महत्त्व बताते हुए एक पत्र लिखिए।

अथवा

आप गरमियों की छुट्टियों में अपने दादा जी-दादी जी से मिलने गाँव गए। आपने वहाँ के दोस्तों के साथ खूब मौज-मस्ती की तथा खेतों पर भी गए। गाँव के इस आनंद का उल्लेख करते हुए अपने शहरी मित्र को पत्र लिखिए।

Scanned with OKEN Scanner

प्र16. संतुलित आहार के महत्व पर माँ-बेटे के मध्य संवाद लिखें। (5)

अथवा

वेतन वृद्धि को लेकर नौकरानी और मालकिन के मध्य संवाद लिखें।

प्र17. चित्र में दिखाई दे रहे दृश्य/ घटना का कल्पनाशक्ति से चित्र वर्णन कीजिए। (5)

R-7

Scanned with OKEN Scanner